राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने तीर्थंकरों से प्रेरणा लेकर अहिंसा का मार्ग अपनाया : नायडू

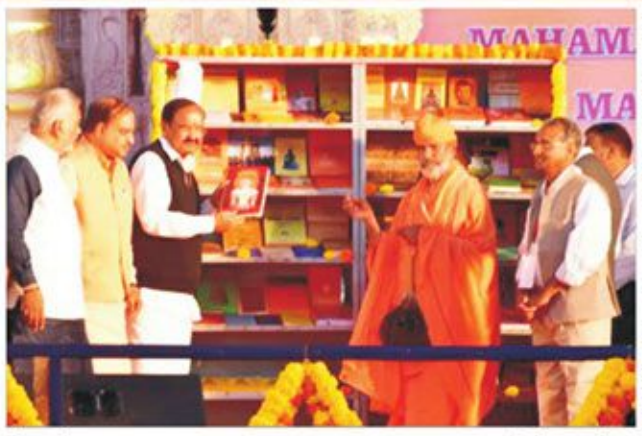

गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली स्वामी महामस्तकाभिषेक के पंचकल्याणक में चौथे दिवस शनिवार को राज्याभिषेक महोत्सव में उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू ने कहा कि 'जीओ और जीने दो' से बड़ा कोई सन्देश नहीं हो सकता है । राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने तीर्थकारों से प्रेरणा लेकर ही अहिंसा का मार्ग अपनाया, भगवान बाहुबली का महामस्तकाभिषेक महोत्सव हमें भगवान बाहुबली एवं तीर्थंकारों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है । गुरूओं का आशीर्वाद लेना हमारी परम्परा रही है । गुरू हमें सद्ज्ञान व सद्बुद्धि देने वाले हैं, पैदल धर्म का प्रबोधन करना मामूली कार्य नहीं है । जैनधर्म के त्रिरत्न सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र बहुत जरूरी है । धार्मिक भावना पहचान है, पूजा पद्धति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन देश के लिए जीना हमारी जीवन पद्धति है । जैन समाज के लोग समाज के लिए खर्च करते है यह अच्छी बात है । आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है । अपनी रोटी बांटकर खाना भारतीय संस्कृति है, मैं यहां आकर बहुत आनंद महसूस कर रहा हूँ, जीवन में शिक्षा फिर सेवाभाव व समाज में कुछ करने का भाव होना मानव सेवा है ।

श्री नायडू ने कन्नड, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में भारतीय संस्कृति भगवान बाहुबली का संदेश, सत्य अहिंसा, श्रवणबेलगोला पर्वत की चर्चा करते हुए कई आयामों को छूआ और कहा कि कोई जाति उच्च-नीच नहीं होती, दूसरों की पूजा पद्धति की अवहेलना करना हमारी पद्धति नहीं है । अलग भाषा, अलग वंश- भारत देश एक रहा है । अपने विधायक कार्यकाल में श्रवणबेलगोला दर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिओं चारूकीर्ति भट्टारक स्वामीजी विगत 48 वर्षों से श्रवणबेलगोला के लिए समर्पित व्यक्तित्व बताया । अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागरजी महाराज ने बताया कि मंच पर पहुंचने के साथ ही उपस्थित राष्ट्रगौरव आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज सहित 350 पिच्छीधारी आचार्य मुनिराज, आर्यिका माताजी को नमन कर उनका आशीर्वाद लिया । राष्ट्रगान के साथ प्रारम्भ राज्याभिषेक समारोह में भगवान बाहुबली की स्तुति सोम्या-सर्वेश जैन ने प्रस्तुत की । स्वागत भाषण कर्नाटक राज्य महामस्तकाभिषेक कमेटी के अध्यक्ष व प्रभारी मंत्री ए. मंजू ने दिया ।

केंद्रीय मंत्री अनंतकुमार ने कहा : श्रवणबेलगोला के प्राकृत संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करेंगे । केन्द्रीय मंत्री अनंतकुमार ने कहा कि आज विश्व को बाहुबली टेक्नालॉजी की आवश्यकता है, अहिंसा त्याग-शांति-मैत्री-प्रगति बहुत आवश्यक है । उन्होनें कहा कि पूज्य भट्टारक स्वामीजी की प्रेरणा से जो प्राकृत संस्थान चलाया जा रहा है उसे पहला प्राकृत विश्वविद्यालय के रुप में भारत सरकार विकसित करेगी, केन्द्रीय संसाधन मंत्री जावड़ेकर ने इसके लिए अपनी सहमति प्रदान कर दी है। भगवान महावीर जन्मभूमि वैशाली में भी प्राकृत विश्वविद्यालय होना चाहिए इस हेतु में बिहार सरकार से भी चर्चा करूंगा । प्राकृत के दो विश्वविद्यालय सम्पूर्ण विश्व में दीप स्तम्भ का कार्य करेंगे ।

108 पुस्तकों का विमोचन – महामस्तकाभिषेक में श्रुत साहित्य प्रकाशन व अप्रकाशित साहित्य को प्रकाशित करने की भावना के अनुसार 108 पुस्तकों व प्रकाशन किया गया, जिनके विमोचन उपराष्ट्रपति नायडू ने पूज्य जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामीजी के साथ किया । पूज्य स्वामीजी ने उन्हें पुस्तकें भी भेंट की । स्वामीजी ने कहा कि महामस्तकाभिषेक केवल जुलूस नहीं, उत्सव नहीं, पूजा नहीं यह जनकल्याण, शिक्षा, स्वस्कृतिव संस्कृति संवर्धन का कार्य भी है ।

सबसे ज्यादा दान देने वाला समाज है जैन समाज – राज्यपाल वजूभाई वाला : कर्नाटक राज्य के राज्यपाल वजूभाई वाला ने कहा कि त्याग में जो आनंद है उपभोग में नहीं है, यहां जितने भी साधु संत विराजमान है उन्होनें त्याग किया है इसीलिए हम दर्शन करने के लिए आते है । सबसे सुखी सम्पन्न लोग, सबसे ज्यादा सम्पत्ति वाले जैनधर्म के लोग हैं जो सबसे ज्यादा दान देने वाला समाज भी जैन समाज है । जितनी ताकत है उतने पैसे कमाइये, लेकिन समाज को समर्पित भी कीजिए ।

राणा प्रताप में ताकत थी, मामाशाह के पास सम्पत्ति दोनों का मिश्रण हुआ विजय मिली । क्षमा वीरस्य भूषणम बताते हुए उन्होनें कहा कि वीर ही क्षमा कर सकता है कमजोर नहीं । गीता में लिखा है कि जो धर्म विरुद्ध कार्य करे उसे समाप्त कर दें । श्री वजूभाई वाला ने जोरदार जयकार लगाकर भगवान बाहुबली की जय-जयकार लगाकर उपस्थितजनों से कराकर सबका मन मोह लिया ।

साधुओं की जितनी भक्ति करें कम है : पूज्य भट्टारक स्वामीजी पूज्य जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारूकीर्ति भट्टारक स्वामीजी ने कहा कि राज्याभिषेक बहुत पवित्र कार्य है । साधु संत यहां दो हजार किलोमीटर का पद विहार करके आए हैं, इनकी जितनी भक्ति हम करें कम हैं । सन् 1981, 1993, 2006 के महामस्तकाभिषेक का इतिहास बताते हुए स्वामीजी ने कहा कि संस्कृति संरक्षण के लिए कार्य करते हुए नायडू यहां तक पहुंचे है । समाज को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है । केन्द्रीय मंत्री अनंतकुमार के बारे में उन्होनें कहा कि केन्द्र सरकार से आवश्यक सहयोग आमंत्रण देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही

भारतीय संस्कृति का अनमोल रत्न जैन धर्म : राजनाथ

सुनील जैन 'संचय', ललितपुर । भगवान बाहुबली का 21वीं सदी का दूसरा महामस्तकाभिषेक के नवें दिन रविवार को भगवान बाहुबली के दर्शन केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने किए । इसके बाद आयोजित समारोह में सिंह ने कहा कि मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ कि जो आज मुझे भगवान बाहुबली के दर्शन करने का सौभाग्य मिला । भारतीय संस्कृति का अनमोल रत्न जैन धर्म है । हिंसा को पूर्णरूप से नकारता है सूक्ष्म रूप से भी हिंसा को नकारता वह जैन धर्म है।

उन्होनें कहा कि आज सभ्यताओं का भी द्वंद चल रहा है एक-दूसरे को हड़पने का सिलसिला चल रहा है । एक दूसरे पर स्थापत्य का दौर है । जैन धर्म की दार्शनिक अवधारणा से काफी हद तक इससे छुटकारा मिल सकता है जैन धर्म में मानव समाज के लिए जो विचार रखा है वह कल्याणकारी है । उन्होनें कहा कि चन्द्र गुप्त मौर्य जैन धर्म की अहमियत समझते थे। उनका राज्याभिषेक भी जैन पद्धति से किया गया था । गृहस्थ के चार आश्रम बताए गए हैं । ब्रह्मचर्य आश्रम, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम और सन्यास आश्रम । चन्द्र गुप्त ने सन्यास आश्रम के लिए श्रवणबेलगोला चुना था । जहां पर भगवान बाहुबली की अद्भुत प्रतिमा बनी हुई है । ये भगवान बाहुबली की प्रतिमा भारत को ही नहीं विश्व को त्याग, समर्पण कर देने का संदेश देती है । जैन धर्म पूरी तरह वैज्ञानिक है । 12 वर्ष में भी महामस्तकाभिषेक होने का कारण है । सौर मंडल का मुख्य गृह बृहस्पति सूर्य का एक चक्कर लगाने में 12 वर्ष लगाता है । इसी कारण कुंभ आदि यह कार्य 12 वर्ष में होता है । इस अंक की भी अहमियत है । उन्होनें कहा कि जैन धर्म के मूल्य, अवधारणाएं हर मानव के लिए अनुकरणीय है । जैन मुनि कठिन तपस्या करते हैं । तपस्या जैन मुनि से सीखनी चाहिए ।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अभी भगवान बाहुबली के दर्शन करने से मन पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुआ है । दुबारा आने की कोशिश करूंगा और सीढ़ियों से चढ़कर भगवान बाहुबली का अभिषेक करूंगा तब इच्छा पूरी होगी । श्रवणबेलगोला मठ के भट्टारक चारूकीर्ति स्वामीजी ने कहा कि केंदीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह से कहा कि दूसरी पुरातात्विक विरासतों को जिस प्रकार की सुरक्षा केंद्र सरकार मुहैया करा रही है उसी प्रकार की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार, श्रवणबेलगोला मठ की भी उसी प्रकार की सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं । राजनाथ सिंह को अपनी संस्कृति पर गर्व है इसी कारण वह यहां आए हैं । वात्सल्य वारिधि वर्धमान सागरजी महाराज ने कहा कि अहिंसा से सुख की प्राप्ति होती है । भगवान बाहुबली का संदेश अहिंसा से सुख है इसकी पूर्ती के लिए श्रवणबेलगोला को अहिंसक क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए । इस मौके पर राजनाथ सिंह ने महामस्तकाभिषेक पुस्तक का विमोचन किया । राजनाथ सिंह का स्वागत भट्टारक चारूकीर्ति स्वामीजी ने रजत मंगल कलश प्रदान कर किया ।

मालवा में दिखा श्रवणबेलगोला सा नज़ारा –

सीमा जैन, इन्दौर । अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच परिवार इंदौर एवम श्री भक्तामर अभ्युदय ट्रस्ट इंदौर के तत्वावधान में 84 दिन में नया इतिहास रचने वाले सर्वोदय तीर्थ भव्य श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव श्री बाहुबली भगवान महामस्तकाभिषेक ऐतिहासिक सफलता के साथ 18 फरवरी को सानन्द निर्विघ्न सम्पन्न हुआ । सर्वोदय तीर्थ पर सुबह से ही धर्मावलंबियों का आना शुरू हो गया हजारों समाजजन बाहुबली भगवान का महामस्तकाभिषेक देखकर धन्य हो गये आज इंदौर में श्रवणबेलगोला जी तीर्थ जैसा माहौल लग रहा था । आज अंतिम दिवस प्रात: मंत्राराधना जिनाभिषेक शांतिधारा नित्य नियम पूजन मोक्ष कल्याणक पूजन कैलाश पर्वत से मोक्ष गमन सिद्धत्य गुणारोपन हुआ समाज के प्रति समर्पित शिक्षा चिकित्सा में जरूरत मन्द समाजजनों को सहायता प्रदान करने वाले समाज श्रेष्ठी श्री एस के चित्रा जी जैन को अति विशिष्ट समाज सेवी के अलंकरण से अलंकृत किया गया । श्रद्धालुओं ने बारी बारी से अभिषेक किया गया । इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु यह अद्भुत दृश्य देख भाव विभोर हो गये । महोत्सव के दौरान मुनिश्री शिवसागरजी महाराज ने कहा कि मनुष्य कर्मदाता है, मनुष्य ही कर्मविधाता है । उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरा भारत का जैन समाज बाहुबली मय हो गया है । दक्षिण में श्रवणबेलगोला जी महातीर्थ पर भगवान बाहुबली स्वामी का महामस्तकाभिषेक हो रहा है एवम उत्तर भारत में आज इंदौर शहर में बाहुबली भगवान का महामस्तकाभिषेक देखने का सौभाग्य समाजजनों को प्राप्त हुआ । इस अवसर पर समग्र समाज के जाने माने श्रेष्ठीजन उपस्थित थे । संगीतकार पंकज जैन की सुमधुर संगीत लहरियों से पूरा पांडाल झूम उठा । राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच इंदौर की समस्त शाखाओं एवम श्री दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप नेमिनाथ ने अतिथि सत्कार भोजन व्यवस्था में अविस्मरणीय सहयोग प्रदान किया ।